भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न सं. 243
बुधवार, दिनांक 24 जुलाई, 2024 को उत्तर दिए जाने हेतु

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम)

243. श्री प्रवीण पटेलः
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:
श्री नरेश गणपत म्हस्के: क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) का ब्यौरा क्या है और इसकी क्या विशेषताएं हैं;
(ख) उक्त मिशन का वर्ष 2024 तक का लक्ष्य क्या है;
(ग) सरकार द्वारा उक्त मिशन पर कुल कितनी राशि खर्च की जा रही है;
(घ) मिशन हेतु नियोजित कुल निवेश का ब्यौरा क्या है;
(ङ) इसके अंतर्गत कुल कितना रोजगार प्रदान किए जाने का लक्ष्य है; और
(च) उक्त मिशन के कारण देश का तेल आयात किस सीमा तक कम होने की संभावना है और इसके कारण सरकारी व्यय में कितनी बचत होने की संभावना है?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री
(श्री प्रल्हाद वेंकटेश जोशी)

(क) से (ङ): दिनांक 04 जनवरी, 2023 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 19,744 करोड़ रु. के परिव्यय से राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन अनुमोदित किया। इस मिशन का व्यापक उद्देश्य वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मेट्रिक टन (एमएमटी) ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन का लक्ष्य रखते हुए, भारत को ग्रीन हाइड्रोजन और उसके डेरिवेटिव्स के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक वैश्विक हब बनाना है। मिशन के भाग के रूप में निम्नलिखित घटकों की घोषणा की गई हैः

i. निर्यात और घरेलू उपयोग के द्वारा मांग सृजन करने में सुविधा प्रदान करना;
ii. ग्रीन हाइड्रोजन परिवर्तन के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप (साइट) कार्यक्रम, जिसमें इलेक्ट्रोलाइजरों के निर्माण और ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए प्रोत्साहन शामिल हैं;
iii. स्टील, आवागमन, पोत परिवहन, विकेन्द्रित ऊर्जा अनुप्रयोग, बायोमास से हाइड्रोजन उत्पादन, हाइड्रोजन भंडारण आदि के लिए पायलट परियोजनाएं;
iv. ग्रीन हाइड्रोजन केन्द्रों का विकास;
v. अवसंरचना विकास के लिए सहायता;
vi. विनियमों और मानकों की एक मजबूत व्यवस्था स्थापित करना;
vii. आरएंडडी के लिए सार्वजनिक-निजी साझेदारी फ्रेमवर्क के माध्यम सहित अनुसंधान और विकास कार्यक्रम
viii. कौशल विकास कार्यक्रम; और
ix. जन जागरूकता और पहुंच कार्यक्रम।

विभिन्न शीर्ष के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मिशन का परिव्यय 600 करोड़ रु. है।

वर्ष 2030 तक परिकल्पित ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता से ग्रीन हाइड्रोजन उद्योग में कुल 8 लाख करोड़ रु. से अधिक का निवेश होने की संभावना है। वर्ष 2030 तक इस निवेश से 6,00,000 रोजगार पैदा होने की संभावना है।

(च) ग्रीन हाइड्रोजन में उर्वरक उत्पादन, पेट्रोलियम रिफाइनिंग, मोबिलिटी क्षेत्र, इस्पात उत्पादन और नौवहन प्रणोदन अनुप्रयोगों सहित विभिन्न क्षेत्रों में आयातित जीवाश्म ईंधन के उपयोग का स्थान लेने की क्षमता है।

वर्ष 2030 तक इस मिशन से 1 लाख करोड़ रु. मूल्य के संचयी जीवाश्म ईंधन के आयात में कमी आने की उम्मीद है।

*****